ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके रांची, झारखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 31-10-2025

बोकारो(झारखण्ड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-10-31 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-11-01	2025-11-02	2025-11-03	2025-11-04	2025-11-05
वर्षा (मिमी)	22.0	7.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	28.0	29.0	30.0	30.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	23.0	21.0	19.0	17.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	95	92	95	94	87
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	62	63	65	54	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	5	6	6	4
पवन दिशा (डिग्री)	213	288	306	318	322
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	4	4	3	4
चेतावनी	भारी वर्षा	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

आने वाले दिनों में बादल छाए रहेंगे और बारिश की संभावना है। तापमान में मामूली वृद्धि होने की संभावना है। हालांकि, हवा की गति सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारी वर्षा

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसलों का गिरना

सामान्य सलाहकार:

किसान भाइयों को सलाह दी जाती है की कृषि संबंधी क्रियाकल्पों जैसे खाद का भुरकाव, कीटनाशी का छिड़काव, फसलों की कटाई मौसम साफ रेह्ने पर 01 नवंबर के बाद ही करे। वर्तमान समय मे तापमान मे उतार छड़ाव देखा जा रहा है और वातावरण मे नमी की मात्र भी पर्याप्त है, जिससे खड़े फसलों एवं नर्सरी मे कीट एवं बीमारी के प्रकोप देखे जा सकते हैं। जिन किसान के पास कम से कम 4-5 सिंचाई की सुविधा हो वे गेंहू, आलू या हरा मटर की खेती करें तथा जिन किसान के पास 2-3 सिंचाई की सुविधा हो वे कम पानी चाहने वालि फसल जैसे चना, तीसी, सरसों, मटर की खेती करें।

लघु संदेश सलाहकार:

सितंबर के महीने में बोई गई तोरिया की फसल फूल आने से पहले की अवस्था में है अत: किसान भाई यूरिया का भुरकाव शीर्ष ड्रेसिंग के माध्यम से करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	देर से बोई गई धान की फसल अपने दना भरने की अवस्था में है, क्योंकि यह संवेदनशील अवस्था है और इसका उपज पर बहुत प्रभाव पड़ता है। आने वाले दिनों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, जिसके परिणामस्वरूप फसल में कंडुआ रूग के प्रकोप देखे जा सकते है। फसल को इससे बचाने के लिए जितनी प्रोपीकोनाज़ोल (टिल्ट) 25 ईसी 1 मिली प्रति लीटर की दर से डालें।
चावल	मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि धान की पकने वाली फसल की कटाई से दो सप्ताह पूर्व सिचाई बंद कर दें। फसल कटाई के बाद फसल को 2-3 दिन खेत में सूखाकर गहाई कर लें। उसके बाद दानों को अच्छी प्रकार से धूप में सूखा लें। अनाज को भंडारण में रखने से पहले भंडार घर की अच्छी तरह सफाई करें।
सरसों	मौसम की अनुकूलता को ध्यान में रखते हुए किसान सरसों की बुवाई कर सकते हैं। उन्नत किस्में- शिवानी, पूसा बोल्ड, पूसा सारसो 25, बिरसा भाभा सरसों 1, पीला सरसों, एन. आर. सी. एच. बी. 101, 05, 02 का चुनाव करें। बीज दर– 2-2.5 कि.ग्रा. प्रति एकड। बुवाई से पहले खेत में नमी के स्तर को अवश्य ज्ञात कर ले ताकि अंकुरण प्रभावित न हो। बुवाई से पहले बीजों को थायरम या केप्टान @ 2.5 ग्रा. प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचार करें। बुवाई कतारों में करना अधिक लाभकारी रहता है। कम फैलने वाली किस्मों की बुवाई 30 सें. मी. और अधिक फैलने वाली किस्मों की बुवाई 45-50 सें.मी. दूरी पर बनी पंक्तियों में करें। विरलीकरण द्वारा पौधे से पौधे की दूरी 12-15 सें.मी. कर ले। मिट्टी जांच के बाद यदि गंधक की कमी हो तो 20 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर की दर से अंतिम जुताई पर डालें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी तथा पत्तागोभी की नर्सरी मे नमी की अधिकता के कारण आद्र गलन की समस्या आ रही हो तो इनके बचाव हेतु किसान भाई फफूंदनाशक कॉपर ऑक्सीक्लोराइड का छिड़काव 3 ग्राम प्रति लिटर पनि के दर से करें।
आलू	जो किसान अगात आलू की खेती करना चाहते हैं, वे उत्तम किस्म का बीज, उर्वरक आदि का प्रबंध करें। अगात आलू की अनुशंसित किस्म कुफरी अशोका या कुफरी पुखराज में से किसी एक का चुनाव करें। एक एकड़ में बोआई के लिए 12 क्विंटल बीज, (20-30 ग्राम का अंकुरित कन्द), 40 किलोग्राम यूरिया, 70 किलोग्राम डी.ए.पी., 80 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश तथा 10 किलोग्राम गंधक की आवश्यकता होती है।
मटर	जो किसान अगात मटर की खेती करना चाहते हैं, वे उत्तम किस्म का बीज, उर्वरक आदि का प्रबंध करें। अगात मटर की अनुशंसित किस्म आरकेल का चुनाव करें। एक एकड़ में बोआई के लिए 40 किलोग्राम बीज, 35 किलोग्राम यूरिया, 200 किलोग्राम एस.एस.पी. तथा 25 किलोग्राम म्यूरेट आफ पोटाश की आवश्यकता होती है।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	चना, मटर या मसूर की बुआई से पहले बीजों को फफूंदनाशी जैसे बाविस्टिन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम या थीरम 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। फफूंदनाशकों एवं कीटनाशकों से उपचारित बीजों को छाया में 6-8 घंटे तक सुखाने के बाद जैविक फफूंदनाशक ट्राइकोडर्मा 5 ग्राम तथा स्यूडोमोनास 10 ग्राम से उपचारित करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

फसलों का गिरना

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

सब्जी नर्सरी को सहायता प्रदान करें।

Farmers are advised to download Unified ﷺMausamﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details